भजन

तर्ज : परदेसीयों से ना अखियां मिलाना
मूल मिलावे मे बैठक हमारी, सन्मुख बैठे श्री युगल बिहारी

(1) अक्षर आगे धाम हमारा, रंग मोहोल का अनुपम नज़ारा
नूर भरी शोभा उजियारी,
मूल मिलावे.....

(2) रतन जड़ित सिंहासन साजे, राजश्यामा जी बीच विराजे
पूर्ण ब्रह्म पिया हितकारी,
मूल मिलावे.....

(3) रतन जड़ित सिंहासन साजे, राजश्यामा जी बीच विराजे
फेर -2 निरखू छवि नूर प्यारी,
मूल मिलावे.....